सपने का भी हक नहीं

HSSLIVE.IN

कविता

डॉ. जे. बाबु

लेखक के बारे में:

हिंदीतर प्रदेशों की हिंदी साहित्यकारों में प्रमुख है ड़ॉ जे बाबू। वे केरल के तिरुवनंतपुरम के यूनिवर्सिटी कॉलज के हिंदी विभागाध्यक्ष थे। सन् 2008 में सेवानिवृत्त होके साहित्य-रचना में लीन रहे। उनका साहित्य समाज के हाशिएकृत वर्ग केलिए अर्पित हैं। मुक्तिधारा, उलझन, उलाहना आदि उनकी कविताओं का संग्रह हैं।

भूमिका:

'सपने का भी हक नहीं' उनकी प्रसिद्ध कविता है, जिसमें एक गरीब मज़दूरिन का चित्र खींचा है, जो अपने एक कमरेवाले झोंपड़ी में रहकर महल का सपना देखती है। कवि एक कठोर सामाजिक यथार्थ का चित्र खींचने का प्रयास की गई हैं कि गरीबों को सपने देखने का भी अधिकार नहीं हैं।

नीचे दिए गद्यांश से प्रश्नों का उत्तर ढूँढें:

(I) इक कमरेवाली .... कहाँ होगा?

(1) झोंपड़ी में कितने कमरे हैं?
एक कमरा।

(2) स्त्री कहाँ रहते हैं?
एक कमरेवाली झोंपड़ी में रहते हैं?

(3) स्त्री क्या करने लगी?
स्त्री अपना विस्तृत घर खींचने लगी।

(4) स्त्री अपना विस्तृत घर कहाँ खींचने लगी?
अपनी मन-दीवार पर।

(5) स्त्री अपना विस्तृत घर कब खींचने लगी?
रात में बच्चे सो जाने पर।

(6) स्त्री अपने विस्तृत घर में किन-किन कमरे बनवाना चाहता है?
अपने विस्तृत घर में खाने-पीने और सोने केलिए अलग-अलग कमरे है। इसके अलावा रसोई, बैठक और पूजा का कमरा भी बनाना चाहता है।

(7) रसोई का स्थान कहाँ है?
रसोई का स्थान बैठक के निकट है।

(8) स्त्री का घर और सपने के घर में क्या-क्या अंतर है?
स्त्री के घर में केवल एक कमरा है। लेकिन सपने के घर में खाने-पीने और सोने केलिए अलग-अलग कमरे है। रसोई, बैठक और पूजा का कमरा भी हैं।

(II) ऊपर की ..... सब रख दिए।

(1) भगवान को बिठाने का कमरा कहाँ बनाना चाहती है?
ऊपर की मंज़िल में।

(2) स्त्री की समस्याएँ कब दूर हो गई?
ऊपर की मंज़िल में भगवान को बिठाने का कमरा बनने पर स्त्री की समस्याएँ दूर हो गई।

HSSLiVE.IN

(3) सपने के घर की छत कैसा है?
कॉंक्रीट की छत है।

(4) दीवारों का रंग क्या है?
पीले रंग।

(5) खिड़की-दरवाज़े कहाँ बनाना चाहती है?
कॉंक्रीट की छत के नीचे की पीले रंग की दीवारों के मध्य में।

(III) संगमरमर ..... रहती रसोई।

(1) घर की ज़मीन पर क्या चमकती है?
संगमरमर

(2) बैठक में क्या-क्या चीज़ें होगी?
बैठक में मेज़-कुर्सियाँ, टी. वी और होम थियेटर होगी।

(3) रसोई पर क्या चमकती है?
ग्रानाइट।

(4) रसोई की शान और बढ़ानेवाले वस्तुएँ क्या-क्या है?
फ्रिड्ज और माइक्रोवेव।

(5) रसोई की शान कैसे बढ़ाते है?
ग्रानाइट चमकनेवाली रसोई में फ्रिड्ज और माइक्रोवेव भी होने पर शोभा बढ़ाती है।

(IV) मसहरी सुरक्षा .....धमकी सपने में।

(1) स्त्री कैसे नींद में पड़ी?
मसहरी सुरक्षा में।

(2) स्त्री कब तक नींद नें पड़ी रही?
ज़मीन पर धूप के फैलने तक।

(3) स्त्री का सपना कब टूटती हैं?
नींद खुलने के पूर्व ही टूटते हैं।

(4) स्त्री का सपना कैसे टूटती है?
सपने में बैंक की नोटीस आ धमकने पर।

<u>मेरी खोजः</u>

(1) 'मगर नींद के खुलने के पूर्व ही नोटीस बैंक की आ धमकी सपने में।' कवि यहाँ किस सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करते हैं?

एक कठोर सामाजिक सच्चाई का चित्रण करनेवाली कविता है श्री जे. बाबु की 'सपने का भी हक नहीं'। एक गरीब मज़दूरिन अपने झोंपड़ी में रहकर महल का सपना देखती है। नींद से जाग उठने के पहले उसने फिर देखा, एक बैंक का नोटीस, जो धमकी के रूप में सामने खडा हैं। आगे सपना देखना भी उस केलिए डरावना बन जाता हैं।

गरीब लोगों को सपने देखने का भी अधिकार नहीं हैं।

HSSLiVE.IN

अनुवर्ती कार्य:

(1) कवितांश की आस्वादन टिप्पणी लिखें।

हिंदीतर प्रदेशों के हिंदी साहित्यकारों में प्रमुख है, श्री डॉ जे बाबु। उन्होंने हिंदी में बहुत सारे कविताएँ लिखी है। 'सपने का भी हक नहीं' उनकी प्रसिद्ध कविता है, जिसमें एक गंभीर सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करते है कि गरीबों को सपने देखने का भी अधिकार नहीं हैं।

एक गरीब मज़दूरिन अपने बच्चे के साथ एक कमरेवाले झोंपड़ी में रहते हैं। रात में बच्चे सो जाने पर वह अपने मन रूपी दीवार पर एक विशाल भवन का चित्र खींचता है, जो उसका स्वपन भवन था।

उस घर में भोजन खाने केलिए और सोने केलिए अलग-अलग कमरे थे। अगर रसोई बैठक के निकट रखें तो पूजा का कमरे का स्थान कहाँ होगा? यदि ऊपर की मंजिल में भगवान को बिठाने का कमरा बन गया तो सारी समस्याएँ दूर हो गई।

काँक्रीट की छत के नीचे पीले रंग की दीवारों के मध्य में खिड़की और दरवाज़ें रख दिए। संगमरमर की चमकती ज़मीन पर मेज़-कुर्सियाँ रख दिए। टी. वी, होम थियेटर आदि बैठक की शोभा बढ़ाती हैं। ग्रानइट चमकनेवाले रसोई में फ्रिड्ज, माइक्रोवेव आदि रखने पर रसोई की शोभा बढ़ती हैं।

मसहरी की सुरक्षा में सूरज की धूप फैलने तक वह नींद पड़ी। जाग उठने के पूर्व सपने में एक धमकी के रूप में बैंक का नोटीस आया। इसलिए सपने देखना भी उस केलिए डरावना बन जाता हैं।

'सपने का भी हक नहीं' कविता एक कठोर सत्य का फर्दाफाश करता हैं कि उस मज़दूरिन जैसे गरीब लोगों को सपने देखने का भी अधिकार नहीं हैं।

परीक्षाकेंद्रित प्रश्न और उत्तर:

(1) रात में अपने बच्चे के सो जाने पर उस गरीब मज़दूरिन अपने विस्तृत घर के बारे में अपनी डायरी लिखते हैं। वह डायरी तैयार करें।

11-2-2015 **रविवार**

बच्चे सो गई। रोज़ की तरह आज भी वे भूखे थे। सिर्फ पानी पीकर..... पिछले दिन भी इस तरह ही चला। आगे कितने दिन? आज भी लॉटरी लिया। यदि इनाम मिलेगा तो नगर में ज़मीन खरीदूँगा।

वहाँ एक विस्तृत घर, दो मंज़िल वाले बड़ा घर! खाने और सोने केलिए अलग-अलग विशाल कमरें। बैठक के निकट रसोई रखें तो पूजा के कमरे कहाँ होगा? ऐसे सोचे वक्त मेरे समझ में आया कि यदि ऊपर की मंज़िल में भगवान को बिठाने का कमरा रख देगा। काँक्रीट के छत के नीचे के दरवाज़े को पीला रंग देगा। उस सुनहरे दरवाज़े के मध्य में विशाल खिड़की-दरवाजें। संगमरमर की शोभा से चमकनेवाले ज़मीन पर मेज़-कुरसियाँ! बैठक में टी. वी तथा होम थियेटर भी रख दूँगा।

रसोई ही उस घर का विशाल कमरा होगा। वहाँ की ज़मीन ग्रानाइट से बनाऊँगा। फ्रिड्ज, माइक्रोवेव आदि रसोई की शोभा और बढ़ाती हैं।

उस घर में मैं अपने बच्चे के साथ शान से रहूँगा। नए-नए खाद्य-पदार्थ! नवीन सुख-सुविधाएँ। मेरे बच्चे भी इस शहर के सी.बी.एस.सी स्कूल में पढ़ूँगा।

(2) गरीब मज़दूरिन अपने विशाल कमरे के बारे में अपने सहेली को पत्र लिखते हैं। वह पत्र तैयार करें।

HSSLIVE.IN

स्थान,
तारीख।

प्यारी सुमा,

तुम कैसे हो? उम्मीद करती हुँ कि तुम ठीक हो। पति और बच्चे कैसे है? सब खुशी हैं न। सब को मेरा प्यार।

मैं बहुत दुःखी हुँ कि मुझे भी तुम्हारी की एक जीवन नहीं मिला। अब क्या करुँ? हाँ, मैं अपने एक सपने के बारे में बताने केलिए यह पत्र लिख रही हुँ। कल मैं ने एक सपना देखा। एक सुंदर सपना। एक कमरे वाले झोंपड़ी में रहनेवाली मैं ने सपने मे देखी मेरे विशाल घर में एक पछी की तरह उड़ा। मुझे प्रतीक्षा नहीं कि वह कभी भी सफल होगा।

कल रात बच्चे के सो जाने के बाद मैं ने अपने मन रूपी दीवार में अपना विशाल घर खींचने लगा। खाने-पीने और सोने केलिए अलग-अलग कमरे। यदि रसोई बैठक के निकट रखें तो पूजा के कमरे कहाँ रखूँ? सोचते-सोचते मेरे समझ में यह आया कि ऊपर की मंज़िल में भगवान को बिठाने का कमरा बनाऊँगा। घर के छत काँक्रीट हैं और उसके नीचे पीले रंग के दीवारों के मध्य में खिड़की-दरवाज़ें रख दिए। संगमरमर की ज़मीन पर मेज़-कुरसियाँ, टी.वी, होम थियेटर आदि रख दी। ग्रानाइट चमकनेवाली रसोई की शोभा फ्रिड्ज, माइक्रोवेव आदि से बढ़ाती हैं।

लेकिन मेरे सपने में विघ्न के रूप में बैंक की नोटीस आया। कितनी बुरी हालत हैं मेरा? मैं ने सोचा कि मैं जैसे गरीब लोगों केलिए अच्छी जिंदगी सपने में देखने का अधिकार भी नहीं हैं।

घर में सब को मेरा प्यार। आशा है कि शीघ्र ही तुमसे मिलूँ। जवाबी पत्र की प्रतीक्षा में..

तुम्हारी प्यारी
हस्ताक्षर
(सुमित्रा)

(3) अपने सहेली के नाम मज़दूरिन का पत्र पढ़ें। इसके आधार पर सहेली का जवाबी पत्र लिखें।

स्थान,
तारीख।

प्यारी सुमित्रा,

तुम्हारी पत्र दो दिन पहले ही मिला। मुझे मालुम है कि जवाबी पत्र लिखने में ज़रा देरी हो गया है। तुम्हारी अवस्था के बारे में सोचकर मैं भी बहुत दुःखी हुँ।

मुझे मालुम नहीं कि क्या लिखकर तुम्हें आशा देनी हैं? तुम जानती हो कि मेरी अवस्था भी इसके समान था। एक-दो वर्ष पीछे देखूँ तो मेरी अवस्था कैसे थी? हम दोनों के पति एक साथ काम करते हैं। मुझे मालुम नहीं कि कब शराब रूपी कराल सर्प ने हमें फँस लिया हैं। हर दिन हमारे जीवन आँसुओं से भीगा था। लेकिन अब तो मेरे जीवन रूपी नदी की दिशा बदल गई हैं। एक दिन मेरे एक दोस्त ने एक आस्पताल के बारे में बताया जहाँ शराब में आसक्त लोगों को अभय और चिकित्सा मिलती हैं। वहाँ दो महीने की चिकित्सा से ही मेरा जीवन में इस तरह की एक साकारात्मक बदलाव आ गया और मुझे सुख-शांति भी मिल गए। ऐसा एक भाग्य मेरी प्रतीक्षा में भी न था।

हाँ, इस तरह की एक जीवन तुमको भी मिलेगा। तुम भी जल्दी वहाँ जाओ। ईश्वर तुम्हारे साथ है। मैं भी उस केलिए प्रार्थना करती हुँ। इस पत्र के साथ मैं कुछ पैसे भी भेज रही हुँ। बच्चों को अच्छा भोजन दे दो। प्रार्थना करती हुँ कि ईश्वर तुम्हारी रक्षा करें।

तुम्हारी प्यारी,
हस्ताक्षर
सुमा

HSSLIVE.IN

परीक्षा की तैयारी केलिए:

(1) गरीब मज़दूरिन अपने विशाल भवन के बारे में अपने पति से कहते हैं। उन दोनों के बीच के वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

(2) 'मगर नींद खुलने के पूर्व ही नोटीस बैंक की आ धमकी सपने में।' अगले दिन वह मज़दूरिन उस नोटीस लेकर बैंक मैनेजर के पास जाते हैं। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

DO NOT COPY